बैहेतन बाँध: दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जलविद्युत बाँध

प्रीलिम्स के लिये:

बैहेतन बाँध, थ्री गॉर्जेस डैम, ब्रह्मपुत्र नदी

मेन्स के लिये:

चीन के लिये बाँध निर्माण का महत्त्व और भारत पर इसका प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े जलविद्युत बाँध- बैहेतन बाँध का संचालन शुरू कर दिया है।

- चीन की यांग्त्ज़ी नदी पर स्थित ‘थ्री गॉर्जेस डैम’ दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम है। इसने वर्ष 2003 में परिचालन शुरू किया था।

प्रमुख बिंदु

बाँध के विषय में

- यह जिंशा नदी पर है, जो कि यांग्त्ज़ी नदी (एशिया की सबसे लंबी नदी) की एक सहायक नदी है।
- इसे 16,000 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ बनाया गया है।
- यह अंततः एक दिन में इतनी बिजली पैदा करने में सक्षम होगा, जो तकरीबन 500000 लोगों की एक वर्ष की बिजली ज़रूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त होगी।

चीन के लिये इसका महत्त्व

- यह अधकि जलवद्युित क्षमता का नर्माण करके जीवाश्म ईंधन की बढ़ती मांग को कम करने संबंधी चीन के प्रयासों का हस्सा है।
  - इसका नर्माण ऐसे समय में कयिा गया है जब पर्यावरण संबंधी शकियतों (जैसे कि खेतों में बाढ़ और नदयिों की पारस्थितिकी में व्यवधान, मछलयिों एवं अन्य प्रजातयिों के लयि खतरा आद) के कारण अन्य देश बाँध नर्माण के पक्ष में नहीं हैं।
- चीन ने वर्ष 2020 में वर्ष 2060 तक कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रतज्ञा की थी, जसिने इस बाँध के नर्माण के नर्णिय को लेकर चीन की तात्कालकिता को और बढ़ा दयिा था।

चीन की अन्य आगामी परयिोजनाएँ:

- तबि्बत के मेडोग काउंटी (Tibet's Medog County) में चीन द्वारा मेगा-डैम की योजना जो आकार में थ्री गॉर्जज डैम (Three Gorges Dam) से भी वशािल है, के संबंध में वशि्लेषकों का मानना है कि यह तबि्बती सांस्कृतकि वरिासत के लयि एक खतरा है, साथ ही यह बीजगि द्वारा भारत की जल आपूर्त कि एक बड़े हस्सि को प्रभावी ढंग से नयिंत्रति करने का एक तरीका है।
  - इस योजना के तहत ब्रह्मपुत्र नदी (Brahmaputra River) के नचिले हस्सि में एक बाँध का नर्माण कयिा जाना है।
  - ब्रह्मपुत्र वशि्व की सबसे लंबी नदयिों में से एक है।
  - ब्रह्मपुत्र नदी तबि्बत में हमािलय से शुरू होकर अरुणाचल प्रदेश राज्य में भारत में प्रवेश करती है, फरि असम, बांग्लादेश से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गरि जाती है।
- चीन के मेकांग वाले क्षेत्र में बाँधों के प्रभाव ने इस आशंका को भी बढ़ा दयिा है कि इनके नर्माण से उस नचिले जलमार्ग में अपरविर्तनीय क्षति हो रही है जो वयितनामी डेल्टा से होकर गुज़रता है तथा 60 मलियिन लोगों को पोषण/भोजन उपलब्ध कराता है।

चतिाएँ:

- **कृषि:**
  - एक वशािल बाँध (जैसे ब्रह्मपुत्र पर) नदी द्वारा लाई गई गाद को भारी मात्रा में रोक सकता है (सल्टि मट्टिी अन्य प्रकार की मट्टिी की तुलना में अधकि उपजाऊ होती है और यह फसल उगाने के लयि अच्छी होती है)।
  - **इससे नदी के नचिले इलाकों में खेती प्रभावति हो सकती है।**
- **जल संसाधन:**
  - भारत पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम में मानसून के दौरान बाढ़ का पानी छोड़े जाने को लेकर भी चतिति है।
  - देशों के बीच गतरिोध के समय यह परविर्तन चतिा का वषिय है।
    - भारत और चीन के बीच वर्ष 2017 के डोकलाम सीमा (Doklam Border) गतरिोध के दौरान चीन ने अपने बाँधों से जल स्तर को रोक दयिा था।
- **पारस्थितिकि प्रभाव:**
  - हमािलयी क्षेत्र में पारस्थितिकी तंत्र पहले से ही गरिावट की स्थति में है। जंगल और जीवों की कई प्रजातयिाँ दुनयिा के इस हस्सि के लयि स्थानकि हैं तथा उनमें से कुछ गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। पारस्थितिकि रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र में इसके वनिाशकारी परणािम हो सकते हैं।
  - बड़े पैमाने पर इंजीनयिरगि परयिोजनाओं ने भी सैकड़ों-हज़ारों स्थानीय समुदायों को वस्थिापति कर दयिा है और पड़ोसी देशों के समक्ष चतिा की स्थति पैदा कर दी है।

आगे की राह

- भारत ने चीन से यह सुनश्चिति करने का आग्रह कयिा है कि अपस्ट्रीम क्षेत्रों में कसिी भी गतवधि सि डाउनस्ट्रीम राज्यों के हतिों को नुकसान न पहुँचे। इस बीच भारत चीनी बाँध के प्रतकिूल प्रभाव को कम करने के लयि अरुणाचल प्रदेश में दबिांग घाटी में 10 गीगावाट (GW) की जलवद्युित परयिोजना बनाने पर वचिार कर रहा है।
- हालाँकि बिड़ा मुद्दा यह है कि एक नाजुक पहाड़ी परदृश्य में बहुत अधकि जल-वद्युित वकिास एक अच्छा वचिार नहीं है।

स्रोत: लाइवमटि

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/baihetan-dam-world-second-biggest-hydropower-dam